

अधिकारी महोदय अन्य कार्य में
व्यस्त/मीटिंग/अवकाश पर है। पत्रावली
पूर्वानुसार दिनांक 15/12/20 को पेश है।

15-12-23

व्यस्त/मीटिंग/अवकाश पर है। पत्रावली
पूर्वानुसार दिनांक 15/12/20 को पेश है।

22-2-24 वकील जारी उपरिपत्र । जारी

स्वयं उपरिपत्र । जारी के कारनाम

पर पत्रावली को पेशी में लिया जा रहा है।



गया। डॉ. ने निवेदन किया कि
वह प्रार्थना - पत्र में आगे कोई
कार्यवाही नहीं चाहता है। इसलिए
प्रार्थना - पत्र स्वार्थी किया जावे।

डॉ. के प्रार्थना - पत्र पर पत्रावली
को वर्तमान स्तर पर स्वार्थी
किया जाता है।

पत्रावली नम्बर से कम की
आकर आठ तक सीमा दरिद्र
फर है।

(स्वामी गुप्ता)